

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास विभाग,
उत्तरांचल, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग

देहरादून : दिनांक २१ अक्टूबर, 2006

विषय: नगर पालिका परिषद, रामनगर हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में अवस्थापना विकास निधि से टाईल सड़कों के निर्माण हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नगर पालिका परिषद, रामनगर (नैनीताल) द्वारा बहुउद्देशीय भवन/बारातघर/दुकानों का निर्माण तथा विभिन्न टाईल सड़कों के निर्माण हेतु प्रस्तुत आगणन रु. 259.54 लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त, संलग्न सूची में अंकित विवरणानुसार रु. 222.88 लाख (रु. दो करोड़ बाइस लाख अठासी हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त धनराशि आपके द्वारा आहरित कर संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को बैंक ड्राफ्ट अथवा चेक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
2. अवस्थापना विकास मद से स्वीकृत की जा रही धनराशि को स्थानीय निकायों के द्वारा अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी का संयुक्त रूप से एक पृथक खाता किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खोल कर जमा किया जायेगा। किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य मदों में न किया जाय। इसके लिए संबंधित अधिशासी अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
3. उक्त धनराशि का उपयोग उन्हीं योजनाओं एवं मदों के लिए किया जायेगा, जिन योजनाओं एवं मदों के लिए धनराशि स्वीकृत की गयी है। किसी भी दशा में धनराशि का व्यावर्तन किसी अन्य योजना/मद में नहीं किया जायेगा।
4. टाईल सड़कों के निर्माण हेतु शासनादेश संख्या 3173/V-श.वि./2006 दिनांक 30.8.2006, जो वित्त विभाग की सहमति से जारी किया गया है, का अनुपालन बाध्यकारी होगा।
5. स्वीकृत धनराशि के व्यय अथवा निर्माण करने से पूर्व सभी योजनाओं/कार्यों पर संबंधित मानचित्र एवं विस्तृत आगणन गठित कर तकनीकी दृष्टिकोण से समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करते हुए एवं विशिष्टियों का अनुपालन करते हुए प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा। बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाए।
6. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
7. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को न्यूनतर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
8. संबंधित कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित निर्माण एजेन्सी के अधिशासी अभियंता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूपेण उत्तरदायी होंगे।
9. निर्माण एजेन्सी के चयन में शासनादेश संख्या 452/XXVII(1)/2005 दिनांक 05 अप्रैल 2005 में निर्गत निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
10. कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिशासी अभियंता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।

मायावती दफ्तरियाल
अनुसंधान
शहरी विकास विभाग
उत्तरांचल शासन

11. स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर परचेज रसूल एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। एकमुस्त प्राविधान के विस्तृत आगणन गठित कर लिये जाये और इन पर यदि किसी तकनीकी अधिकारी के कार्य कराने से पूर्व का अनुमोदन प्राप्त करना नियमानुसार आवश्यक हो तो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उक्त अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये।
12. यदि उक्त कार्य अन्य विभागीय/नगर निकाय के बजट से स्वीकृत हो चुके हैं या कराये जा चुके हैं, तब संबंधित योजना/कार्य के लिए इस शासनादेश द्वारा अवमुक्त की जा रही धनराशि का कोषागार से आहरण न करके उसकी सूचना शासन को देकर आवश्यक धनराशि शासन को तत्काल समर्पित कर दी जायेगी।
13. कार्य करने के बाद कार्य स्थान पर योजना के पूर्ण विवरण के साथ अर्थात् योजना की लागत, लम्बाई, कार्यदायी संस्था, ठेकेदार का नाम, प्रारम्भ करने का समय, पूर्ण करने का समय तथा वित्त पोषण के श्रोत के विवरण के साथ एक साइनबोर्ड उक्त योजना की लागत से ही लगा दिया जायेगा।
14. जी.पी.डब्ल्यू. फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य संपादित करना होगा तथा समय से कार्य पूर्ण न करने पर निर्माण इकाई से आगणन की कुल लागत का 10 प्रतिशत की दर से दण्ड वसूल किया जायेगा।
15. सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के संबंध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायें तथा यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं तो संबंधित संस्था को अग्रेत्तर धनराशि उक्त मानकों को पूर्ण करने पर निर्गत की जायेगी। निर्माण एजेंसी को एकमुस्त पूर्ण धनराशि अवमुक्त न करके दो अथवा तीन किश्तों में धनराशि अवमुक्त की जायेगी और अंतिम किश्त तब ही निर्गत की जाये, जब कार्य की गुणवत्ता ठीक हो, शासनादेश के मानकों के अनुरूप हो।
16. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण संबंधित विभाग के अधिशासी अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
17. उक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि की प्रतिपूर्ति का प्रस्ताव अविलम्ब शासन को प्रेषित किया जायेगा।
18. विस्तृत आगणन में ली जाने वाली दरों का अनुमोदन निकटतम लो.नि.वि. के अधिशासी अभियन्ता से आवश्यक होगा एवं कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्यों का स्थल निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लिया जाए एवं स्थल पर आवश्यकतानुसार ही कार्य किये जायेंगे।
19. निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
20. कार्य दिनांक 31.3.2007 तक पूर्ण कर इसी वित्तीय वर्ष में उक्त कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण राज्य सरकार को तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र भी शासन को उपलब्ध करा दिया जाये।
21. मुख्य सचिव महोदय, उत्तरांचल शासन के शासनोद्देश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

मान्य
(मायावती देकरियार)

अनुसूचित
शहरी विकास
उपयोगिता

उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 13 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-03- छोटे तथा मध्यम शहरी विकास" के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास अधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05- नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास" के मानक मद 20 सहायक अनुदान/अंशदान/ राज

शासनादेश संख्या : 2567 / V / 2006-500 (सा 18) / 2006 दिनांक 9 जून 2006 का
संलग्नक:
रामनगर (नैनीताल)

क्र०सं०	कार्य का नाम	(लाख रु० में)	
		आगणनकी लागत	टी०.ए.सी. अनुमोदित
01	इन्टरलॉक टाइल्स लगाने का कार्य, मदीना मस्जिद रोड, खताड़ी	10.38	9.08
02	स्टेशन रोड की पुलिया से गैस गोदाम की पुलिया तक इन्टरलॉक टाइल्स का लगाया जाना	6.09	5.34
03	रेलवे स्टेशन रोड, नई बस्ती में इन्टरलॉक टाइल्स का कार्य, मौ० रेलवे पड़ाव	3.71	3.26
04	चोरपानी में भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में इन्टरलॉक टाइल्स का कार्य, मौ० चोरपानी।	6.19	5.47
05	भगत सिंह चौक से कदीमी मस्जिद तक इन्टरलॉक टाइल्स का कार्य, मौ० गुलरघट्टी।	16.26	14.23
06	सती के घर से पप हाउस तक इन्टरलॉक टाइल्स का कार्य, मौ० टेडारोड लेखनपुर।	37.77	32.12
07	छप्पर वाली मस्जिद चौराहा से श्री जहूर के घर तक इन्टरलॉक टाइल्स का कार्य, मौ० खताड़ी।	8.78	7.70
08	पानी की टंकी के चारों तरफ इन्टरलॉक टाइल्स लगाया जाना, मौ० लेखनपुर।	11.42	9.99
09	पुराने बस स्टेशन से रामेश्वरम होटल एवं स्टेट बैंक के पास इन्टरलॉक टाइल्स का कार्य, मौ० पैठपड़ाव।	14.00	12.20
10	मौ० अजीज के घर से मन्दिर तक इन्टरलॉक टाइल्स का कार्य, मौ० गुलरघट्टी।	10.77	9.43
11	सिद्धेश्वर मंदिर से ईदगाह पार्क तक इन्टरलॉक टाइल्स का कार्य, मौ० खताड़ी।	9.71	8.50
12	मौहल्ला पम्पापुरी में बहुददेश्य भवन / बारातघर के निर्माण	51.32	41.18
13	सराय सब्जी मण्डी में दुकानों का निर्माण	30.64	25.38
14	मौहल्ला खताड़ी में स्लाटर हाउस का निर्माण, मौ० खताड़ी	42.45	39.00
	कुल योग-	259.49	222.88

(रुपये दो करोड़ बाईस लाख अठ्ठासी हजार मात्र)

मायावती
(मायावती इन्फ्रस्ट्रक्चर्स प्रा. लि.)

अनुमोदित
सहरी विकास विभाग
उत्तरांचल प्रदेश

10/6/06

एन.के.ओ.सी.
नगर विकास
सहरी विकास विभाग
उत्तरांचल प्रदेश

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 959/XXVII(2)/2006 दिनांक 31 अक्टूबर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्न : यथोपरि।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)
सचिव।

संख्या : 256⁹(1)/V/2006 तददिनांक। 9/11/06

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित : -

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तरांचल, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा. नगर विकास मंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
4. आयुक्त, कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
5. जिलाधिकारी, नैनीताल।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
8. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करने का कष्ट करें।
9. अध्यक्ष/अधिसासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, रामनगर (नैनीताल)।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

(मायावती ~~का~~)
(मायावती दफ्तरीय)
नगरी विकास विभाग
उत्तरांचल शासन

आज्ञा से,

(एन. के. जोशी)
अपर सचिव।